Draft Syllabus for M.A Sanskrit

(CBCS - Based)

Session 2018-2020 onwards

Sanskrit Department

Faculty of Humanities

Purnea University, Purnia

प्रो० (डॉ०) मिथिलेश मिश्र
आचार्य एवम् अध्यक्ष
विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग
पूर्णियाँ विश्वविद्यालय, पूर्णियाँ

बिहार राज्य के सामान्य विश्वविद्यालयों के लिए एम0 ए0 (संस्कृत) के पाठ्यक्रम

(CBCS के अनुसार)

संस्कृत में दो वर्षीय एम0 ए0 कोर्स चार सेमेस्टर में विभाजित किया जाएगा। प्रथम सेमेस्टर में मुख्य पाठ्यक्रम (CC) के 4 पत्र तथा AECC-1 का एक पत्र कुल पांच पत्र होंगें, द्वितीय सेमेस्टर में मुख्य पाठ्यक्रम के 5 पत्र एवं AEC-1 का एक पत्र कुल 6 पत्र होंगें, तृतीय सेमेस्टर में मुख्य पाठ्यक्रम के 5 पत्र एवं AECC-2 का एक पत्र कुल 6 पत्र होंगें चतुर्थ सेमेस्टर में अपने विषय से सम्बद्ध विशिष्टि विषय के चयनित पाठ्यक्रम (EC) के दो पत्र एवं DSE-1 या GE-1 पत्र कुल 3 पत्र होंगे। एक छात्र को 4 सेमेस्टर के भीतर सभी 20 पाठ्यक्रमों को पूरा करने की आवश्यकता होगी, प्रत्येक छह महीने की अवधि में सत्रान्त में विश्वविद्यालयीय परीक्षा होगी।

प्रत्येक पत्र 100 अंक के होंगें।, CC और GE/DSE के प्रतिपत्र में निर्धारित 100 अंको में से विनियमावली के अनुसार विश्वविद्यालययीय लिखित परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक और क्लास टेस्ट (CIA) के लिए 30 अंक निर्धारित होंगें।

AECC, AEC और EC में प्रतिपत्र निर्धारित 100 अंकों में से विश्वविद्यालयीय लिखित परीक्षा के लिए 50 अंक और विभागीय मूल्यांकन के लिए 50 अंक निर्धारित होंगें।

प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए 5 क्रेडिट होंगें। परीक्षाफल का निर्धारण 14 CC एवं 2 EC के अंक के आधार पर होंगें AECC, AEC, DSE/GE में केवल उत्तीर्णता (Qualifying) अंक लाना आवश्यक होगा।

एम0 ए0 प्रथम सेमेस्टर	4 कोर पाठ्यक्रम (CC)+ 1AECC
एम0 ए0 द्वितीय सेमेस्टर	5 कोर पाठ्यक्रम (CC)+1AEC
एम0 ए0 तृतीय सेमेस्टर	5 कोर पाठ्यक्रम (CC)+ 1AECC
एम0 ए0 चतुर्थ सेमेस्टर	2 चयनित पाठ्यक्रम (EC) + 1 DSE or GE

---

16 पाठ्यक्रम + 4 पाठ्यक्रम = 20 पाठ्यक्रम

9/12/18

9.12.18

9.12.18

9.12.18

प्रो० (डॉ०) मिथिलेश मिश्र
आचार्य एवम् अध्यक्ष

CBCS M.A Sanskrit कोर्स नियमावली

क्रेडिट की रूप–रेखाः–

एम0 ए0 संस्कृत विषय के प्रथम सेमेस्टर में चार पत्र एवं AECC होंगे, तथा द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर में पाँच पत्र तथा AECC-I तथा AECC-2 होंगे।

चतुर्थ सेमेस्टर में EC-I तथा EC-2 के साथ GE एक विषय होगा। प्रत्येक पत्र 05 क्रेडिट को वहन करेगा। प्रत्येक सेमेस्टर में 20 क्रेडिट होगा।

परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों का सामान्य प्रारूप तथा अंक विभाजन निम्नलिखित हैः–

(A)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (10) प्रत्येक अन्विति से दो	10 x2 = 20 अंक
(B)	लघुत्तरीय प्रश्न (पाँच में से चार) दो संस्कृत में प्रत्येक अन्विति से 1	4 + 4 + 6 + 6 = 20 अंक
(C)	दीर्घउत्तरीय प्रश्न (पाँच में से तीन) प्रत्येक अन्विति से 1	3 X 10 = 30 अंक कुल – 70 अंक

प्रत्येक सेमेस्टर में 30 अंकों की वर्ग जाँच परीक्षा (Continuous Internal Assesement, CIA) सम्बद्ध विभाग में विभागीय शिक्षकों द्वारा आयोजित की जायेगी एवं उसका मूल्यांकन भी विभागीय शिक्षक ही करेंगे यदि कोई छात्र / छात्रा इस परीक्षा (CIA) में सम्मिलित होने में किसी कारणवश अनुपस्थित रहेंगे तो इस स्थिति में उन्हें उस सेमेस्टर के अंत में होने वाली परीक्षा (ESE) में सम्मिलित होने से वंचित होना होगा। इस परीक्षा के घटक तत्त्व (Components) निम्नलिखित है–

(a)	दो मध्य सेमेस्टर लिखित जाँच–परीक्षा – प्रत्येक की अवधि 1 घंटे की होगी।	15 अंक
(b)	सेमिनार / क्विज –	05 अंक
(c)	एसाइनमेंट्स –	05 अंक
(d)	दैनिक नियत उपस्थिति एवं आचरण –	05 अंक
	कुल :–	30 अंक

9/12/18 9.12.18 9.12.18 9.12.18

प्रो० (डॉ०) मिथिलेश मिश्र
आचार्य एवम् अध्यक्ष
विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग

ग्रेडिंग –पद्धति (Grade – System)

एम0 ए0 संस्कृत विषय में छात्रों की उत्तीर्णता की घोषणा उनके द्वारा प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में होने वाली 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंको की वर्ग जाँच परीक्षा में नियमानुकूल वांछित अंक प्राप्त करने पर ही यू0 जी0 सी0 द्वारा अनुमोदित 10 Point Grading System के आधार पर की जाएगी।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की दिशानिर्देशानुसार भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा अपनाये गये इस नवीन पद्धति का एकमात्र उद्देश्य है कि वर्षो से चली आ रही पुरानी रूढ़िगत तथा एक ही रीति एवं शैलीगत पाठ्यक्रम–पद्धति से हटकर नई सेमेस्टर पद्धति की ओर प्रत्येक शिक्षण संस्थान अग्रसर हो सके क्योंकि यह पद्धति शिक्षा–जगत में शिक्षा एवं ज्ञानार्जन प्रक्रिया को प्रोत्साहित करते हुए गतिशीलता के साथ छात्रों को शीघ्रतापूर्वक सुयोग्य बनाता है तथा उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में सामान्य रूप से सफलता के शीर्ष पर पहुँचाने में सहायक होता है। इस पद्धति की एक और विशेषता है कि यह शिक्षा की अवधि और पाठ्यक्रम का अधिन्यास करता है एवं पाठ्यक्रम में लोच प्रदान करता है।

यह पद्धति छात्रों को एक स्वतंत्र और मुक्त वातावरण का अवसर प्रदान करता है जिससे छात्र स्वेच्छानुसार पाठ्यक्रम का चुनाव कर सकते हैं और निर्बाध गति से ज्ञानार्जन कर सकते हैं, साथ ही इस पद्धति के द्वारा वे स्वेच्छापूर्वक बहुत से विषय–वस्तुओं से परिचित होते हुए अन्यान्य विभिन्न विषय–वस्तुओं पर भी ज्ञान का आधिपत्य स्थापित कर सकते हैं।

****

9/12/18

9.12.18

9.12.18

9.12.18

प्रो० (डॉ०) मिथिलेश मिश्र
आचार्य एवम् अध्यक्ष
विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग
पूर्णियाँ विश्वविद्यालय, पूर्णियाँ

एम. ए. संस्कृत पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर (2018–20)

CC – 1

वेद — पूर्णांक – 70

खण्ड – 1 वरूण (1.24), इंद्र (1.32), सूर्य(1.115), विश्वामित्र–नदी–सम्वाद (3.33), अग्नि (4.7), हिरण्यगर्भ (10.121),

खण्ड –2 शुक्ल यजुर्वेद–शिवसंकल्प–सूक्त (34 - 1- 6)

खण्ड –3 राष्ट्राभिवर्धन (1.29)

खण्ड –4 निरूक्त (यास्क) प्रथम अध्याय

खण्ड –3 कक्षा–परीक्षा (CIA) 30

अनुशंसित पुस्तकें:–

1- New Vedik Selection : Pt. N.K.S. Telang & B.P. Chaube
2. वैदिक देवता–एक ऐतिहासिक विवेचना : प्रो0 के0 पी0 सिंह + G.C. Tripathi , डॉ0 सूर्यकान्त
3. हिंदी निरूक्त– डा0 उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'
4. वैदिक साहित्य का इतिहास–पं0 बलदेव उपाध्याय

CC &II

दर्शन — पूर्णांक – 70

(वेदान्त और योग)

खण्ड –1 वेदान्तसार : (सदानन्दकृत) अनुबंध चतुष्टय, अज्ञान, पंचीकरण, विवर्त लिंगशरीरोत्पत्ति, जीवनमुक्ति

खण्ड –2 योगसूत्र (पतंजलि) केवल सूत्र

खण्ड –3 सांख्यकारिका – 1–40 कारिका

खण्ड –3 कक्षा–परीक्षा (CIA) 30

अनुशंसित पुस्तकें:–

1. वेदान्त सूत्र : सदानंद, हिन्दी अनुवाद और पाठ द्वारा पं0 बद्रीनाथ शुक्ला
2. वेदान्त सूत्र : सदानंद, हिन्दी अनुवाद और व्याख्या के साथ द्वारा डा0 गजानन शास्त्री मुसालगाँवकर
3. योगसूत्र : ब्राह्मण मुनि
4. योगसूत्र : पं0 रामानन्द विरचित, स0 डा0 विमला कर्नाटक
5. वेदान्त सूत्र : पं0 आदित्य प्रसाद मिश्रा
6. सांख्यकारिका – ईश्वर कृष्ण

CC – III

व्याकरण — पूर्णांक – 70

खण्ड– 1 कारकप्रकरण – सिद्धान्त कौमुदी

खण्ड– 2 सुबन्तप्रकरण –आदि से सर्व शब्द पर्यन्त

खण्ड– 3 भू धातु – ससूत्र

खण्ड– 4 महाभाष्यम् पस्पशाह्निक

खण्ड– 5 कक्षा–परीक्षा (CIA) 30

अनुशंसित पुस्तकें:–

1. महाभाष्यम्, पस्पशाह्निक (सम्पादक– प्रो0जे0एस0एल0 त्रिपाठी, चौखम्बा)
2. सिद्धान्त कौमुदी – भाषा–टीका सहित

9/12/18

9.12.18

9.12.18

9.12.18

प्रो0 (डॉ0) मिथिलेश मिश्र
आचार्य एवम् अध्यक्ष
विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग
पूर्णियाँ विश्वविद्यालय, पूर्णियाँ

CC-IV

काव्यशास्त्र –I

पूर्णांक–70

खण्ड– 1 काव्यप्रकाश प्रथम और द्वितीय उल्लास

खण्ड– 2 काव्यप्रकाश नवम् और दशम् उल्लास

नवम् उल्लास – वक्रोक्ति, अनुप्रास, यमक और श्लेष – 4 अलंकार

दशम् उल्लास– उपमा (पूर्णोपमा), उत्प्रेक्षा, रूपक, अतिशयोक्ति, अपह्नुति, संदेह, समासोक्ति, निदर्शना, अप्रस्तुतप्रशंसा, दृष्टान्त, तुल्ययोगिता, परिसंख्या, काव्यलिंग, भ्रान्तिमान, संशय, दीपक, विभावना, व्यतिरेक, विशेषोक्ति, अर्थान्तरन्यास और संकर–21 अलंकार।

खण्ड – 4 कक्षा–परीक्षा (CIA) 30

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. काव्यप्रकाश : मम्मट, अनुवादित विश्वेश्वर सिद्धांतशिरोमणि, ज्ञान मंडल प्रकाशन, वाराणसी।
2. काव्यप्रकाश : मम्मट (केवल पाठ), सम्पादित – प्रो0 रेवा प्रसाद द्विवेदी, प्रकाशित : बीएचयू।
3. काव्यप्रकाश : मम्मट, प्रदीपोद्योत और प्रभा की टीका के साथ। सम्पादित : प्रो0 बी0 भट्टाचार्य और प्रोफेसर जे0 एस0 एल0 त्रिपाठी, बीएचयू प्रकाशन।

AECC-1

A- Environmental Sustainability (3 Credit)
B- Swachha Bharat Abhiyan Activities (2 Credit)

Each credit requires 10 hours of teaching – learning for theory and 20 hours for practical assignment field work.

A-Unit- 1 Environmental ethics & ecosystem: Concept of sustainable development with reference to human values in western and Indian perspective, sustainable development &conservation of natural resources (Nature, factors, structure, development and people participation) development, environment – rural and urban,concept of Ecosystem.

A-Unit-2 Development and its effect on environment : Environment Pollution – water, air noice etc. due to Urbanisation, Industrial civilization, Concept of Global Warming, Climate Change, Green House Effect,AcidRain,Ozone layer depletion.menace of encroachment of exotic plants particularyparthenium and trees with special reference to impact on habit & habitat on indigenous flora & fauna.

A-Unit-3 Concept of Bio-diversity and its concervation : Environmental Degradation and conservation. Govt. Polices, Social effect and role of social reforms in this direction. Role of science in conservation of environment concept of Three 'R' (reduse, reuse recycle). Need of environmental education and awareness programme and ecological economics.

B-Unit-4 Swachha Bharat Abhiyan : The concept of Swachhata as personal , Gandhian approach towards social and environmental moral values & concept of swachhata and its relation to moral upgradation of society and freedom struggle. Awareness Programme related to Swachhata. Role of 'Swachchagrahis' in Swachha Bharat Abhiyan.

Sanitation and hygiene, why sanitation is needed, sanitation and human rights, plantation, value of nature, concept of community participation and role of state agencies. Case study of Sanitation,

9/12/18 9.12.18 9.12.18 9.12.18

प्रो० (डॉ०) मिथिलेश मिश्र
आचार्य एवम् अध्यक्ष
विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग

effect of cleanliness, Diseases – infectious and vector – borne of Spread of diseases through body and other biological fluids and excreta.

B-Unit-5 Assignment/Practical/Field work based on unit-4

Or, Alternative to unit-4 and unit-5 a student can also enrol for Swachha Bharat Internship programme of MHRD.

Reference:-

01. U.P. Sinha- Environment & Social Sector ; Concept publication New Delhi.

02. U.P. Sinha - SustainableResourse development policy Concept publication New Delhi.

03. U.P. Sinha – Economics of Social sector & Environment Concept publication New Delhi.

04. Sengupta ,R. 2003, Ecology and economics : An approach to sustainable development . OUP

05. Introduction to sustainable development – Dr.RanjanaSingh ,Globuss Press, New Delhi.

06. Singh , J.S. Singh . S.P. and Gupta , S.R.2014, Ecology. Environmental science and conservation .S.Chand Publishing.

07. Our Common future – Report by UN Bruntland Commission(1987)

08. Gandhi and the Environment – T.N.Khoshoo, John S.Moolakkattu

09. गांधीदर्षन एकपुनरावलोकन, जानकी प्रकाशन, डॉ0 श्यामल किशोर

10. Rosencrantz, A., Divan, S & Noble, 2001. Environment law and policy in Indian ,tripathi 1992

11. World commission on environment and development ,1987 our common future. Oxford University. Press.

9.12.18

9.12.18

(डॉ0) मिथिलेश मिश्र
आचार्य एवम अध्यक्ष

द्वितीय सेमेस्टर

CC-V भाषाविज्ञान पूर्णांक – 70

खण्ड – 1 भाषाओं का वर्गीकरण, भाषोत्पत्ति विषयक सिद्धांत, आकृति विज्ञान, विभिन्न भाषा परिवार, विशेष संदर्भ के साथ केवल सामान्य परिचय एवं भारोपीय भाषा परिवार का विशेष परिचय

खण्ड – 2 ध्वनि परिवर्तनों की दिशा – आकलन, प्रसार एवं संकोच, Anaptyxis, Prothesis, Epenthesis, आदि स्वर लोप (Aphesis), मध्य स्वर लोप (Syncope), Haplology, विपर्यय (Metathisis), समानता (Analogy), तनाव और ध्वनि उच्चारण।

खण्ड– 3 ध्वनिशास्त्र के नियम – ग्रिम्स, वर्नर और ग्रासमन ,

खण्ड– 4 अर्थविज्ञान का सिद्धांत (Semantics Theory)

खण्ड– 5 वर्ग – जाँच (CIA) 30

अनुशंसित पुस्तकें:

1. भाषा विज्ञान : श्री भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान : श्री मंगल देव शास्त्री
3. भाषाशास्त्र का तुलनात्मक परिचय:पी0डी0गुणे
4. संस्कृत के ऐतिहासिक एवं समालोचनात्मक अध्ययन : डी0डी0 शर्मा
5. भाषा विज्ञान की भूमिका : डी एन शर्मा
6. भाषाविज्ञान और भाषाशास्त्र : पं0 कपिलदेव द्विवेदी

CC-VI पद्य काव्य पूर्णांक– 70

खण्ड– 1 मेघदूत – पूर्वमेघ उत्तरमेघ

खण्ड– 2 बुद्धचरित – प्रथम एवं द्वितीय सर्ग

खण्ड– 3 कक्षा–परीक्षण (CIA) 30

अनुशंसित पुस्तकें:

1. मेघदूत : कालिदास : हिन्दी अनुवाद और पाठ के साथ,सम्पादक – शेषराज शर्मा रेग्मी, चौखम्भा, वाराणसी।
2. मेघदूत : कालिदास : तीन संस्कृत टिप्पणीकारों के साथ, सम्पादित पं0 ब्रह्मशंकर शास्त्री, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

CC-VII वैदिक साहित्य का इतिहास, पाश्चात्य समालोचना एवं निबंध पूर्णांक– 70

खण्ड–1 वैदिक साहित्य का इतिहास (सामान्य परिचय – सायण और दयानंद)

खण्ड–2 पश्चिमी वैदिक विद्वानों का योगदानः मैक्समूलर, मैकडोनेल, वेबर, ब्लूमफील्ड, व्हिटनी, विल्सन, ग्रिफिथ, विंटरविज, कीथ, रोथ।

खण्ड–3 संस्कृत में निबंध (वैदिक विषयों पर)

खण्ड–4 कक्षा–परीक्षण (CIA) 30

अनुशंसित पुस्तकें:

1. वैदिक साहित्य और संस्कृतिः पं0 बलदेव उपाध्याय
2. History of Indian Literature Vol. I Part&I M. Vinternits
3. संस्कृत साहित्य का इतिहासः ए0ए0 मैकडोनेल

CC-VIII गद्य काव्य पूर्णांक–70

खण्ड–1 कादम्बरी – शूद्रक वर्णन से विन्ध्याटवीं पर्यंत वर्णन

खण्ड–2 हर्षचरित–प्रथम उच्छ्वास

खण्ड–4 कक्षा परीक्षण (CIA) 30

अनुशंसित पुस्तकें:

1. हर्षचरित हिन्दी अनुवाद एवं भाष्य
3. कादम्बरीः हिन्दी अनुवाद और भाष्य

9/12/18 9.12.18 9.12.18 9.12.18

प्रो० (डॉ०) मिथिलेश मिश्र
आचार्य एवम् अध्यक्ष
विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग
पूर्णियाँ विश्वविद्यालय, पूर्णियाँ

CC-IX | रूपक | पूर्णांक–70

खण्ड–1 मृच्छकटिकम् 1–5 अंक (सामान्य अध्ययन, केवल महत्त्वपूर्ण प्रश्न)

खण्ड–2 मुद्राराक्षसम् I-II अंक

खण्ड–3 उत्तररामचरितम् I-III अंक

खण्ड–4 कक्षा–परीक्षण (CIA) 30

अनुशंसित पुस्तकें:

मृच्छकटिकःहिन्दी अनुवाद और टीका के साथ द्वारा प्रो० जे० एस० एल० त्रिपाठी, चौखम्भा, वाराणसी।

AEC-1

प्रो० (डॉ०) मिथिलेश मिश्र
आचार्य एवम् अध्यक्ष

तृतीय सेमेस्टर

CC-X **नाट्यशास्त्र** पूर्णांक–70

खण्ड–1 भरतनाट्यशास्त्र – VI अध्याय रससूत्र टीका अभिनवभारती–भट्टलोल्लट, शंकुक तथा भट्ट नायक का रस निष्पत्ति विषयक मत

खण्ड–2 नाट्य शास्त्रः उक्त तीनों मत के निराकरणपूर्वक अभिनवगुप्त का सिद्धांत मत

खण्ड–3 दशरूपक– (प्रथम प्रकाश) प्रारम्भ से 22 कारिका पर्यन्त

खण्ड–4 दशरूपक– (द्वितीय प्रकाश) आरम्भ से 27 कारिका पर्यन्त

खण्ड–5 दशरूपक– (तृतीय प्रकाश) प्रारम्भ से 40 कारिका पर्यन्त

खण्ड–6 कक्षा परीक्षण (CIA) 30

अनुशंसित पुस्तकें

1. दशरूपक : हिन्दी अनुवाद और टीकाके साथ पं0 रामशंकर त्रिपाठी
2. दशरूपक : हिन्दी अनुवाद और टीका के साथ डॉ एस एस मालवीय, चौखंभा
3. दशरूपक तत्वावलोकन : प्रो0 रामजी उपाध्याय

CC-XI **काव्यशास्त्र–II** पूर्णांक–70

खण्ड–1 ध्वन्यालोक – प्रथम उद्योत

खण्ड–2 काव्यप्रकाश VI,VII एवं VIII उल्लास

खण्ड–3 अरस्तू का काव्यशास्त्र

खण्ड–3 कक्षा–परीक्षण (CIA) 30

अनुशंसित पुस्तकें:

1. ध्वन्यालोक : हिन्दी अनुवाद व्याख्या पं0 जगन्नाथ पाठक
2. ध्वन्यालोक : हिंदी अनुवाद और व्याख्या पं0 रामासगढ त्रिपाठी, एमएलबीडी
3. अरस्तू का काव्यशास्त्र– द्वारा डा0 नागेन्द्र

CC-XII **संस्कृत साहित्य का इतिहास, पाश्चात्य समालोचना एवं निबंध** पूर्णांक–70

खण्ड–1 संस्कृत साहित्य का इतिहास–
रामायण के सामान्य अध्ययन, महाभारत, नाटक और महाकाव्य

खण्ड–2 पाश्चात्य समालोचना – प्लेटो, अरस्तू, होरेस, लॉन्गिनर्स, थॉमस स्टुअर्ट एलिएट, आइवर आर्मस्ट्रॉग रिचर्ड्स का सामान्य अध्ययन.

खण्ड–3 संस्कृत में निबन्ध

खण्ड–4 कक्षा–परीक्षण (CIA) 30

अनुशंसित पुस्तकें:

1. संस्कृत साहित्य का इतिहासः पं0 बलदेव उपाध्याय
2. संस्कृत साहित्य की रूपरेखः चंद्रशेखर पांडे और ननुराम व्यास
3. संस्कृत साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ0 सूर्यकांत
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा, मयूर पेपरबॉक्स, ए–95, सेक्टर V, नोएडा – 201301, 1992

9.12.18

प्रो० (डॉ०) मिथिलेश मिश्र
आचार्य एवम् अध्यक्ष

CC-XIII

भारतीय दर्शन का इतिहास और निबंध

पूर्णांक–70

खण्ड–1 संस्कृत में निबंध (दार्शनिक विषयों पर)

खण्ड–2 भारतीय दर्शन का इतिहास (सांख्य – योग, न्याय – वैशेषिक मीमांसा – वेदान्त, चार्वाक जैन और बौद्ध) इन दर्शनों का सामान्य परियच

खण्ड–3 आधुनिक विचारकों– रामकृष्ण परमहंस, अरविंदों, विवेकानन्द और सर्वपल्लिराधा कृष्णन (केवल दार्शनिक विचार) इनके दार्शनिक विचारों का सामान्य परिचय

खण्ड–4 कक्षा–परीक्षा (CIA)

30

अनुशंसित पुस्तकें:

1. राधाकृष्णन एसः जीवन का एक आदर्शवादी दृश्य
2. डी0 ए0 गंगाधर : सर्वपल्ली आरएडीएचसीकेआरआईआईएन के धर्म ईवम दारियान
3. बी0 के0 लालः समकालीन भारतीय दर्शन (हिंदी और अंग्रेजी)
4. मिश्रा, आर0एस0 : "अर अरविंद

CC-XIV

शोधपद्धति और अनुवाद

पूर्णांक–70

खण्ड–1 पाठ का संपादन, पांडुलिपि विज्ञान

खण्ड–2 शोध क्रियाविधि और शोध परियोजना का प्रारूप निर्माण

खण्ड–3 दिये गये संदर्भ का अनुवाद लेखन

खण्ड–4 इंडेक्सिंग, प्रूफ रीडिंग

खण्ड–5 वर्ग परीक्षा (CIA)

30

AECC-2 प्रस्तावित पाठ्यपुस्तक

(1) शोध प्रविधि–प्रभुनाथ द्विवेदी

(2) व्यवहार रत्नाकर–चण्डेश्वर ठाकुर

9/12/18

9.12.18

9.12.18

9.12.18

प्रो० (डॉ०) मिथिलेश मिश्र
आचार्य एवम् अध्यक्ष
विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग
पूर्णियाँ विश्वविद्यालय, पूर्णियाँ

चतुर्थ सेमेस्टर

EC-I

पुराण

पूर्णांक–50

श्रीमदभगवदगीता–1–6 अध्याय

XV खण्ड–1 (श्रीमद्भागवत, शिवपुराण, देवीभागवत, अग्निपुराण) केवल सामान्य आलोचनात्मक प्रश्न

खण्ड–2 पुराण साहित्य का इतिहास – सामान्य अध्ययन

खण्ड–3 मौखिकी 50

EC-2

धर्मशास्त्र

पूर्णांक–50

XVI खण्ड–1 धर्मशास्त्र का इतिहास (प्रथम भाग)–

पी0 वी0 काणे हिंदी अनुवाद– अर्जुन चौबे कश्यप

खण्ड–2 मनुस्मृति छठा और सातवां अध्याय

खण्ड–3 परियोजना कार्य / मौखिकी 50

9/12/18

9.12.18

9.12.18

9.12.18

प्रो० (डॉ०) मिथिलेश मिश्र
आचार्य एवम् अध्यक्ष
विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग
पूर्णिया विश्वविद्यालय, पूर्णिया

निम्नलिखित Generic Elective विषयों में से सुविधानुसार छात्र विभागाध्यक्ष की स्वीकृति के उपरान्त किसी एक का चयन कर सकते है।

GE-1

भारतीय रंग मंच का इतिहास एवं परम्परा पूर्णांक–70

भाग–(क) भारतीय रंग मंच का उद्भव और विकास

भाग–(ख) रंगमंच : निमार्ण और प्रकार

भाग–(ग) अभिनय : आंगिक,वाचिक,सात्विक और आहार्य

भाग–(घ) नाटक : वस्तु, नेता और रस

भाग–(च) वर्ग परीक्षा (CIA) 30

[B] इकाईवार विभाजन

भाग–(क)

भारतीय रंगमंच का उद्भव और विकास

इकाई 1 विभिन्न कालखंडों में रंगमंच का उद्भव और विकासः

प्रागैतिहासिक तथा वैदिककाल

इकाई–1 महाभारत एवं पौराणिक कालतः रामदरबार रंगमंच,

देवालय रंगमंच, मुक्त रंगमंच (खुला), आधुनिक

रंगमंच, लोक रंगमंच, राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय

रंगमंच।

भाग (ख)

रंगमंच निमार्ण और प्रकार

इकाई–1 रंगशाला : निमार्ण और प्रकार

भाग (ग)

अभिनय : आंगिक,वाचिक, सात्विक और आहार्य।

इकाई – 1 अभिनय : आंगिक, वाचिक,

7.12.18

प्रो० (डॉ०) मिथिलेश मिश्र
आचार्य एवम् अध्यक्ष
विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग
पूर्णियाँ विश्वविद्यालय, पूर्णियाँ

इकाई – 2 सात्त्विक और आहार्य।

भाग–(घ)

नाटक : वस्तु नेता और रस

इकाई – 1 वस्तु

इकाई – 2 नेता

इकाई – 3 रस

अनुशंसित पुस्तकें –

1. राधावल्लभ त्रिपाठी (सपा. एव संक.)–सुक्षिप्त नाटयशास्त्र हिन्दीभानुवाद सहित, वाणी प्रकाशन, दिल्ली 2008।

2. राधावल्लभ त्रिपाठी, भारतीय नाटय : स्वरूप एवं परम्परा,सरस्कृत परिषद, सागर मध्यप्रदेश, 1988।

GE-2

पातंजलयोगसूत्र

निर्धारित पाठयक्रम पूर्णांक--70

भाग (क) पातजलयोगसूत्र : समाधि पातञ्जल

भाग (ख) पातजलयोगसूत्र : साधन पाद

भाग (ग) पातजलयोगसूत्र : विभूति पाद

भाग (क)

पातंजल योगसूत्र : समाधि पाद

इकाई – 1 समाधि पाद सूत्र (1–15)

इकाई 2 समाधि पाद सूत्र (16–29)

9/12/18

9.12.18

9.12.18

9.12.18

प्रो० (डॉ०) मिथिलेश मिश्र
आचार्य ...
विश्वविद्यालय ...

भाग (ख)

पातंजल योगसूत्र : साधन पाद

इकाई – 1 साधन पाद सूत्र (29–45)

इकाई – 2 साधन पाद सूत्र (46–55)

भाग (ग)

पातंजल योगसूत्र : विभूति पाद

इकाई – 1 विभूति पाद सूत्र (1–3)

अनुशंसिक पुस्तके :–

1. Patanjala Yogadarsana, Gita Press, Gorakhpur.
2. Yogapradipa, Gita press, Gorakhpur. 10

GE-3

आयुर्वेद के मुल सिद्धात पूर्णांक–70

भाग (क) आयुर्वेद का परिचय

भाग (ख) चरक संहिता (सूत्रस्थानम्)

भाग (ग) तैत्तिरीयोपनिषद्

भाग (घ) वर्ग परिक्षा (CIA) 30

भाग (क)

आयुर्वेद का परिचय

इकाई – 1 आयुर्वेद का परिचय, चरक के औषधिविज्ञान का पूर्णकालिन इतिहास, आयुर्वेद की दो शाखाएँ:धन्वन्तरी और पुनर्वसु।

इकाई – 2 आयुर्वेद के प्रमुख आचार्य :चरक, सुश्रुत, वागभट माधव, शारंगधर और भावमिश्र।

9.12.18

आचार्य एवम् अध्यक्ष
विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग
पूर्णियाँ विश्वविद्यालय, पूर्णियाँ

भाग (ख)

चरक संहिता (सूत्र स्थानम्)

ईकाई–1 षड्ऋतुओं में काल–विभाजन तथा शरीर एवं प्रकृति की अवस्था। हेमंत, शिशिर, वसंत, ग्रीष्म, वर्षा और शरद्–ऋतुओं में रहन–सहन और आहार–सम्बन्धी नियम।

भाग (ग)

तैत्तिरीयोपनिषद्

ईकाई–1 भृगुवल्ली – अनुवाक 1–3

[C] अनुशंसित पुस्तकें :–

1- Taittiriyopanisad-Bhrguvali.

2. Atridev Vidyalankar, Ayurveda ka Brhad itihas.

GE-4

संस्कृत साहित्य में पर्यावरण जागृति

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम पूर्णांक – 70

खंड–'अ' आधुनिक पर्यावरण परिप्रेक्ष्य और संस्कृत साहित्य

खंड–'ब' वैदिक साहित्य मे पर्यावरण जागरूकता

खंड–'स' शास्त्रीय संस्कृत साहित्य मे पर्यावरण जागरूकता

खंड–'द' वर्ग परीक्षा 30

[B] पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

हर देश की राष्ट्रीय संस्कृति अपने पर्यावरण, जलवायु परिस्थितियों और प्राकृतिक संसाधनों के साथ मानव व्यवहार पर निर्भर करती है संस्कृत भारत की सभ्यता और संस्कृति का वाहन है। संस्कृत साहित्य के प्रकृति उन्मुख पर्यावरण के अनुकुल विचार प्राचीन काल से मानव जाति की सेवा कर रहे हैं। प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए एक उपकरण के रूप में प्राचीन भारत में धर्म का इस्तेमाल संभवतः

9.12.18

9/12/18 9.12.18 9.12.18

आचार्य एवम् अध्यक्ष
विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग
पूर्णियाँ विश्वविद्यालय, पूर्णियाँ

किया गया था। इसलिए, संस्कृत साहित्य हमारे लिए और बड़े पैमाने पर विश्व पर्यावरण के लिए उपयोगी है। इस कोर्स का उद्देश्य छात्रों को पर्यावरण के भारतीय विज्ञान और पर्यावरण जागरूकता की प्रमुख विशेषताओं की बुनियादी अवधारणा से परिचित करना है, जैसा कि वैदिक और शास्त्रीय संस्कृत साहित्य में दर्शाया गया है।

(C) यूनिट–वार डिवीजन

खंड 'अ' आधुनिक पर्यावरण परिप्रेक्ष्य और संस्कृत साहित्य

इकाई : । पर्यावरण का विज्ञान : परिभाषा, क्षेत्र और आधुनिक संकट: मानव सभ्यता में पर्यावरण की भूमिका, पर्यावरण का अर्थ और परिभाषा, पर्यावरण विज्ञान के लिए विभिन्न नाम: परिस्थिति की 'पर्यावरण', प्रकृति विजयन, पर्यावरण के मुख्य घटक: जीवित जीव (जैव जगत) और निर्जीव सामग्री (भौतिक पदार्थ) ।

इकाई : ।। पर्यावरण का प्राथमिक कारक भौतिक तत्व, जैविक तत्त्व और सांस्कृतिक तत्व।

इकाई :।।। पर्यावरण के संकट और आधुनिक चुनौतियां : ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, ओजोन कमी, जनसंख्या में विस्फोटक वृद्धि, भूमिगत पानी के लेबल में कमी, नदी के प्रदूषण, बड़े पैमाने पर वनों की कटाई, बाढ़, और सूखा जैसे प्राकृतिक आपदाएं। संस्कृत साहित्य का पर्यावरण पृष्ठभूमि: पर्यावरण विज्ञान के दृष्टिकोण से संस्कृत साहित्य का महत्व :, पृथ्वी माँ की अवधारणा और वैदिक साहित्य में नदियों की पूजा: पर्यावरण संबंधी मुद्दों जैसे कि प्रकृति मां की सुरक्षा और संरक्षण का संक्षिप्त सर्वेक्षण, जंगलों में वृक्षारोपण, और संस्कृत साहित्य में प्रस्तावित जल संरक्षण तकनीक के रूप में बौद्ध और परिस्थिति की जैन अवधारणाएँ, पेड़ों की सुरक्षा, जानवरों और पक्षियों के लिए प्यार।

खंड–ब वैदिक साहित्य में पर्यावरण जागरूकता

इकाई : 1 वैदिक साहित्य मे पर्यावरण सबधी मुद्दों और परिस्थितिकी–प्रणाली,

प्राकृतिकी दिव्यता, ब्रह्माण्ड की सभी प्राकृतिक शक्तियों के बीच समन्वय, पर्यावरण के लिए मार्गदर्शन बल के रूप में ब्रहमांडीय आदेश पूरे ब्रह्माण्ड का 'ऋत' (ऋग्वेद, 10.85.1) : अथर्ववेद में पर्यावरण के लिए समान शब्द: 'वृतावृत' (12.1.52), : अथर्ववेद में पर्यावरण के लिए समान शब्द: 'वृतावृत' (12.1.52), 'अभिवरः, (1.32.4), 'अवरीतः' (10.1.30), 'परिवृता' (10.8.31) : ब्रह्माण्ड को आच्छादित करने वाले पांच बुनियादी तत्त्व: पृथ्वी, जल, प्रकाश, वायु, और 10 आकाश (ऐतरेय उपनिषद् 3.3): पर्यावरण के तीन घटक तत्वों के रूप में 'छान्दसी' जाना जाता है: जल (पानी),

9.12.18

प्रो० (डॉ०) मिथिलेश मिश्र
आचार्य एवम् अध्यक्ष
विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग

(हवा), और औषधि (पौधे)

वेद, 18.1.17) : पांच रूपों में पानी के प्राकृतिक स्रोत वर्षा

पानी (Divyahh), प्राकृतिक झरने (Sravanti), कुँआ और नहर

(Khanitrimah), झील (Svayamjah) और नदियाँ।

(Samudrarthah) ऋग्वेद, 7.49.2)।

ई ।। वैदिक साहित्य में पर्यावरण संरक्षण: पर्यावरण संरक्षण के पांच प्रारंभिक स्रोत:

(Mountain), सोम (पानी), वायु (हवा), पर्जन्य (वर्षा) और अग्नि (अथर्ववेद,3.21.10) : सूर्य से पर्यावरण संरक्षण

ग्वेद, 1.191.1.16, अथर्ववेद,2.32.1–6, यजुर्वेद, 4.4,10.6) : सौहार्दपूर्ण माहौल में सूरज की किरणों के साथ

जड़ी-बूटियों और पेड़–पौधे द्वारा बनाए गए जीवन के लिएं (अथर्ववेद, 5.28.5): ओजोन–परत महातुल्य की वैदिक

अवधारणा (ऋग्वेद, 10.51.1: अथर्ववेद, 4.2.8): वैश्विक परिस्थिति की तंत्र के संरक्षण के लिए पौधों और जानवरों का

(यजुर्वेद, 13.37) : उपनिषदों में पारिस्थितिकी के अनुकूल पर्यावरण जीव (वृहदारण्यक उपनिषद, 3.9.28, तैत्तरीय

उपनिषद,5.101, ईशवास्य–उपनिषद, 1.1)

खड 'सी' शास्त्रीय सस्कृत साहित्य में पर्यावरण संरक्षण

इकाई : । पर्यावरण जागरूकता और वृक्षारोपण: पुराणों में वृक्षारोपण: एक पवित्र

विधि के रूप में (मत्स्य पुराण, 59.159,153.512, बराहपुराण, 172.39), विभिन्न पौधों को राजा द्वारा जंगल में लगाया

जाना (शुक्रनीति, 4.58–62) राजा के शाही कर्त्तव्य के रूप में नए वृक्षारोपण कराना और पुराने पेड़ों का संरक्षण

(अर्थशास्त्र, 2.1.20) : पेडों और पौधों को नष्ट करने की सजा (अर्थशास्त्र, 3.19), भूतल के नीचे के जल का रिचार्ज करने

के लिए वृक्षारोपण (बृहत्संहिता, 54.119)

इकाई : ।। पर्यावरण जागरूकता और जलप्रबंधन : सिंचाई के लिए विभिन्न प्रकार के जल नहर: नदी से उत्पन्न नहर

'नदीमित्र मुख मूल' पर्वत के पास से उत्पन्न नहर पर्वतपरस्य वर्तनी कुल्य' तालाब से उत्पन्न नहर 'Hrdasrta Kulya'

जल संसाधन के सरक्षण का स्रोत 'वापी–कूप–तडाग' (अग्निपुराण 209–2, वि. रामायण 2.80.10.11) : अर्थशास्त्र में पानी

का संचयन प्रणाली (2.1.20--21) :

बृहद संहिता में भूमिगत जल का खिचाव (अध्याय–54) :

इकाई : ।।। कालिदास के साहित्य में विश्व पर्यावरण मुद्दे : पर्यावरण के आठ तत्व और 'अष्टमूर्ति' की अवधारणा शिव

9.12.18

प्रो० (डॉ०) मिथिलेश मिश्र
आचार्य एवम् अध्यक्ष
विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग

9/12/18 9.12.18 9.12.18

(अभिनशाकुंतम् 1.) : वन संरक्षण, जल संसाधन, प्राकृतिक संसाधनः कालिदास साहित्य में जानवरों, पक्षियों और पेड़–पौधों के संरक्षण में। अभिज्ञानशाकुंतलम् नाटक पर्यावरण जागरूकता, मेघदूत में भारतीय मानसून के पारिस्थितिकी तंत्र, ऋतुसंहार में ऋतुजनित मौसम की स्थिति भारतीय उपमहाद्वीप में, कुमार संभव में हिमालयी परिस्थिती की, रघुवंश में समुद्र विज्ञान (सर्ग–13)

GE-7

[C] निर्धारित पाठ्यक्रमः पूर्णांक 70

खंड–'अ'	संस्कृत और भाषा संगणन	
खंड–'ब'	भाषा संगणन पद्धति और सर्वेक्षण	
खंड–'स'	वर्ग परीक्षा (CIA)	30

[B] पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम में संस्कृत कंप्यूटिंग में वर्तमान अनुसंधान और विकास का परिचय दिया जाएगा। सरकारी और निजी वित्त–पोषण के तहत विकसित उपकरणों और तकनीकों पर प्राथमिक जोर दिया जाएगा और संस्कृत के लिए नई प्रौद्योगिकियों का पता लगाया जाएगा।

[C] यूनिट–वार डिवीजन :

खंड 'अ' संस्कृत और भाषा संगणन

ईकाई :। संस्कृत ध्वन्यात्मकता,, सस्कृत मोरफोलॉजी सिंटैक्स सिमेंटिक्स, लेक्सिकन, कॉरपोरा उपकरण, तकनीक।

ईकाई : ।। संस्कृत भाषा संसाधन और क्रियाविधि।

खंड– 'ब' भाषा संगणन क्रियाविधि और सर्वेक्षण

यूनिट :। नियम बेस, सांख्यिकी और हाईब्रिड।

यूनिट : भाषा संगणन सर्वेक्षण।

GE-9

संस्कृत के लिए कम्प्यूटेशनल भाषा विज्ञान

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम : पूर्णांक 70

9.12.18

9.12.18 9.12.18 9.12.18

प्रो० (डॉ०) मिथिलेश मिश्र
आचार्य एवम् अध्यक्ष
विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग

(अभिनशाकुंतम् 1.) : वन संरक्षण, जल संसाधन, प्राकृतिक संसाधनः कालिदास साहित्य में जानवरों, पक्षियों और पेड़–पौधों के संरक्षण में। अभिज्ञानशाकुंतलम् नाटक पर्यावरण जागरूकता, मेघदूत में भारतीय मानसून के पारिस्थितिकी तंत्र, ऋतुसंहार मे ऋतुजनित मौसम की स्थिति भारतीय उपमहाद्वीप में, कुमार संभव में हिमालयी परिस्थिती की, रघुवंश मे समुद विज्ञान (सर्ग–13)

GE-7

[C] निर्धारित पाठ्यक्रमः

पूर्णांक 70

खंड–'अ' संस्कृत और भाषा संगणन

खंड–'ब' भाषा संगणन पद्धति और सर्वेक्षण

खंड–'स' वर्ग परीक्षा (CIA) 30

[B] पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

इस पाठ्यक्रम में संस्कृत कंप्यूटिंग में वर्तमान अनुसंधान और विकास का परिचय दिया जाएगा। सरकारी और निजी वित्त–पोषण के तहत विकसित उपकरणों और तकनीकों पर प्राथमिक जोर दिया जाएगा और संस्कृत के लिए नई प्रौद्योगिकियों का पता लगाया जाएगा।

[C] यूनिट–वार डिवीजन :

खंड 'अ' संस्कृत और भाषा संगणन

ईकाई : I सस्कृत ध्वन्यात्मकता,, संस्कृत मोरफोलॉजी सिटैक्स सिमेंटिक्स, लेक्सिकन, कॉरपोरा उपकरण, तकनीक।

ईकाई : II सस्कृत भाषा संसाधन और क्रियाविधि।

खंड– 'ब' भाषा संगणन क्रियाविधि और सर्वेक्षण

यूनिट : I नियम बेस, साख्यिकी और हाईब्रिड।

यूनिट : भाषा संगणन सर्वेक्षण।

GE-9

संस्कृत के लिए कम्प्यूटेशनल भाषा विज्ञान

[A] निर्धारित पाठ्यक्रम :

पूर्णांक 70

प्रो० (डॉ०) मिथिलेश मिश्र
आचार्य एवम् अध्यक्ष
विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग
पूर्णियाँ विश्वविद्यालय, पूर्णियाँ

खंड--'ए' कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान की सैद्धांतिक अवधारणाएँ

खंड–'ब' कम्प्यूटेशनल भाषा विज्ञान के एप्लाईड क्षेत्र

खंड–'स' डेटा संग्रहणः डेटाबेस का एक परिचय

खंड–'द' वर्ग परीक्षा (CIA)

ख्ठ, पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

यह पाठ्यक्रम कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का परिचय देगा और अगले स्तर के लिए छात्रों को तैयार करेंगे। कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान (सीएल) में इन विषयों को कवर करने के बाद, छात्र सीएल के उपकरण और तकनीक सीखेंगे।

[C] यूनिट–वार डिवीजन :

खंड 'अ' कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान के सैद्धांतिक अवधारणाएँ

ईकाई : । भाषा और संचार, भाषा के स्तर, स्वनिम, रूपिम, पीओएस, शब्दकोश, सिंटेक्स, शब्दार्थ, प्रवचन, प्राकृतिक भाषा बनाम कृत्रिम भाषा, वाणी और भाषा, व्याकरण, कम्पयूटर के रूप में बुद्धिमान उपकरण, मानव कम्पयूटर इंटेलिजेंट इंटरेक्शन (एचसीआईआई), बोली के मानव संसाधन का प्रसंस्करण : कम्पयूटर बनाम प्राकृतिक बोली, सांख्यिकीय आधारित नियम प्रसंस्करण, मशीन लर्निंग, भाषा की व्याख्या, मानक, यूनिकोड, और भाषा ससाधन।

यूनिट : ।। कम्प्यूटेशनल भाषा विज्ञान का सर्वेक्षण

खंड–'ग' कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान के लागू क्षेत्रों आकृति विज्ञान विश्लेषक/भाषण/अध्यक्ष

यूनिट : । मान्यता, भाषण संश्लेषण, पाठ से भाषण, भाषा विश्लेषण, समझा, जेनरेशन, प्राकृतिक भाषा अंतरफलक, पाठ प्रसंस्करण और मशीन अनुवाद।

खंड– 'स' डेटा संग्रहण :

यूनिट : । डेटाबेस का परिचय, डाटाबेस और आर्किटेक्चर सिस्टम्स का डाटाबेस, डेटाबेस सिस्टम, डाटाबेस सिस्टम के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य।

9/12/18 9.12.18 9.12.18

प्रो० (डॉ०) मिथिलेश मिश्र
आचार्य एवम् अध्यक्ष
विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग